ISABS

Indian Society for Applied Behavioural Science

सामुदायिक प्रक्रिया अनुदेशन कार्यक्रम

बेसिक कार्यक्रम : 12 अगस्त 2019 से 21 अगस्त 2019

भाग 1 : 12 अगस्त 2019 से 16 अगस्त 2019, भाग 2 : 17 अगस्त 2019 से 21 अगस्त 2019

कार्यक्रम स्थल : सहभागी शिक्षण ट्रस्ट, लखनऊ

सामुदायिक प्रक्रिया अनुदेशन कार्यक्रम (सीपीएफपी)

सीपीएफपी – यह एक सर्टिफिकेट कार्यक्रम है जिसे 'इंडियन सोसाइटी फॉर बिहेवरल साइंसेज (ISABS) ने वर्ष 2013 में विकसित किया। अबतक 100 से भी ज्यादा प्रतिभागियों ने चार समूहों में कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया है।

विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने समुदाय–स्तरीय समूहों के अनुदेशन के लिए अपने प्रक्रिया कौशल को बेहतर बनाने में इस कार्यक्रम को बेहद कारगर पाया है।

विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने समुदाय–स्तरीय समूहों के अनुदेशन के लिए अपने प्रक्रिया कौशल को बेहतर बनाने में इस कार्यक्रम को बेहद कारगर पाया है।

संदर्भ

आजीविका, पर्यावरण, स्वास्थ्य, जेंडर, बचत व ऋण, प्राकृतिक संसाधन, शिक्षा, मानव–तस्करी व मानवाधिकारों के क्षेत्र में सक्रिय संगठनों को अक्सर ऐसे माहौल में काम करना पड़ता है जहां संबंधित समुदाय अनेक किस्म के तनावों से जूझ रहे होते है, मसलन, आजीविका के साधनों का खत्म हो जाना, विस्थापन, संघर्ष और जलवायु परिर्वतन। ये तनाव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप इन समुदायों में बदलाव के लिए किए जाने वाले हस्तक्षेपों पर तो असर डालते ही है, साथ ही, इस तरह की प्रक्रियाओं में इन समुदायों की भागीदारी भी प्रभावित करते है। इसका मतलब यह हुआ कि सामुदायिक कार्यकताओं और संगठनों में इस तरह के तनावों से जूझते हुए इन समुदायों को समझने, उनका समर्थन करने और उनके साथ भागीदारी करने की क्षमता होनी चाहिए।

इस संदर्भ में प्रभावशाली हस्तक्षेप उसे ही कहेंगे जो तकनीकी और प्रक्रियागत दोनों मुद्दों को ध्यान में रखें। ज्यादातर संगठन अपने ज्ञान व कौशल के आधार पर तकनीकी मामलों में तो उत्कृष्टता सुनिश्चित कर लेते है। लेकिन सामुदायिक बदलाव और टकरावों से जूझ रहे लोगों की लगातार बदलती स्थितियों में प्रक्रिया संबंधी मुद्दों को समझना कई संगठनों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यहीं पर सीपीएफपी कार्यक्रम का यह कोर्स उपयोगी साबित होगा।

संभावित प्रतिभागी

यह कार्यक्रम खासतौर से समुदाय सतर पर काम कर रहे अनुदेशकों (Facilitators), समन्वयको और सुपरवाइजरों, समुदायों के प्रशिक्षण ये जुडें प्राशिक्षकों, व समूह नेतृत्वकर्ताओं आदि के लिए बनाया गया है।

सीपीएफपी अपने दायरों को विस्तृत करने की कोशिश कर रहा है और इस दिशा में सीएसआर (CSR) व सरकारी कार्यक्रमों व मिशनों में स्वास्थ्य व आजीविका जैसे विशिष्ट मुद्दों पर काम कर रहे लोगों की भागीदारी के प्रयास किए जा रहे है।

इस कार्यक्रम से सबसे ज्यादा फायदा ऐसे प्रतिभागी को होगाः

- जिसके पास समुदाय के साथ सीधे काम करने का कम–से–कम 2–3 साल का अनुभव हो
- जिसकी उम्र 22 साल से ऊपर हो
- जो समुदाय के साथ काम करने की सामान्य पद्धतियों से परिचित हो, मसलन, समुदाय की बैठकें आयोजित करवाना, पीआरए (PRA) का आयोजन करना
- जो दूसरे सामुदायिक कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण करने, उनको दिशा देने या प्रभावित करने के पदध्भूमिका में हो।

कार्यक्रम की रूपरेखाः 10 दिवसीय सीपीएफपी

(क) कार्यक्रम का दायरा

- **मॉडयूल 1** – 5 दिन टी–ग्रुप और मानव प्रक्रियाओं का आयोजन। इसमें अंतःवैयक्तिक (intra-personal) यानी व्यक्ति के निजी स्तर की, अंतरवैयक्तिक (दो लोगों के बीच की), समूहो के सदस्ओं के स्तर की और समाज के स्तर की मानव प्रक्रियाओं को समझना शामिल है।
- **मॉडयूल 2** – अगले 5 दिनों में प्रतिभागी निर्णय लेने, टकरावों को समझने, जाति, वर्ग, जेंडर के लगातार बदलते आयामों और नेतृत्व के बारे में सिखेंगे।

(ख) संरचना और अवधि

- 5–5 दिनों के 2 मॉडयूल – कुल 10 दिन का कार्यक्रम
- मॉडयूल 1 – टी–ग्रुप जिसमें 3 सुबह के सत्र और 3 सामुदायिकसत्र होंगे (शुरूआत, सप्ताह मध्य और समापन)।
- मॉडयूल 2–5 दिनों का ढीला–ढाला डिजाइन जिसमें टी–ग्रुप के अनुभवों से विषयों को जोड़नें के लिए अवधारण संबंधी इनपुट दिए जाएंगे।
- इनके अलावा एक प्रोजेक्ट वर्क भी होगा।

(ग) उद्देश्य

- अपनी और अंतर–वैयक्तिक संबंधों की पड़ताल करना और अपनी अभिप्रेरणाओं (motivations) की गहरी समझ हासिल करना। समुदाय में व्यापक रूप से मौजूद जेंडर, जाति, वर्ग, धर्म, विकलांगता और यौनिकता संबंधी पूर्वाग्रहो और भेदभावों की पड़ताल करने व उनका सामना करने के लिए गंभीर चिंतन करना और साथ ही यह समझने की कोशिश करना कि ये किस तरह हर व्यक्ति में दिखाई देते है।
- समाज में बदलाव लाने के लिए किस तरह के नेतृत्व की जरूरत है यह समझना।

(घ) अपेक्षित परिणाम

10 दिन के कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों से निम्न बिन्दु सीखने की अपेक्षा की जाती है,

- प्रक्रिया को विषयवस्तु से अलग करना
- अपने व समूह के स्तर पर बदलाव कैसे होते है इसपर चिंतन करना
- समुदाय स्तरीय बैठकों में जो प्रक्रियाएं चल रही है उसे समझना, और उसके अनुरूप प्रभावशाली हस्तक्षेप करना
- इस पर चिंतन करना कि किस तरह छोटी–छोटी प्रक्रियाएं बड़ी सामाजिक सच्चाईयों से जुड़ी हुई हो सकती है।

(ङ) पद्धति

- टी–ग्रुप–जिसे अनुभवजन्य प्रयोगशाला शिक्षण भी कहते है जिसमें व्यक्यिों का एक समूह मानव प्रक्रियाओं को समझने के लिए साथ–साथ काम करता है।
- रोल प्ले (अलग–अलग भूमिकाएं अपनाना) और अनुभवजन्य अभ्यास
- समूह चर्चाएं और अवधारणात्मक प्रस्तुतियों
- इसके अलावा, लगभग 7 दिन काम किया जाएगा।

(च) कार्यक्रम की भाषा

कार्यक्रम मुख्य रूप से हिन्दी में होगा। ज्यादातर लिखित सामग्री भी हिन्दी में ही उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम शुल्क

5 दिनों के दो मॉडयूल (कुल 10 दिन) का बेसिक कार्यक्रम : रूपये 15000 प्रति प्रतिभागी (सभी करों समेत)।
इसमें कार्यक्रम संबंधी सभी खर्चे शामिल है – जैसे कि अनुदेशकों का मानदेय, प्रशिक्षण सुविधाऐं व प्रशिक्षण सामग्रीय भोजन (शाकाहारी) और आवास। अगर किसी प्रतिभागी के लिए शुल्क का भुगतान मुश्किल हो तो ऐसी स्थिति में ISABS सीमित छात्रवृत्ति प्रदान करेगा। प्रतिभागी की यात्रा का खर्च उनके संगठन का उठाना होगा। इस कार्यक्रम के लिए छात्रवृत्ति उपलब्ध है

बेसिक सीपीएफपी कार्यक्रम की तारीखेंः भाग 1 : 12 अगस्त 2019 से 16 अगस्त 2019,
भाग 2 : 17 अगस्त 2019 से 21 अगस्त 2019

आयोजक और प्रशिक्षक

यह कार्यक्रम इंडियन सोसाईटी फॉर अप्लाइड बिहेवरल साइंस (ISABS) द्वारा प्रस्तुत और आयोजित किया जा रहा है। ISABS को अंतः वैयक्तिक, अंतरवैव्यक्ति और सामाजिक प्रक्रियाओं का गहरी समझ के लिए जाना जाता है। इस कार्यक्रम के मुख्य डिजाइनर व प्रशिक्षक ISABS के पेशेवर सदस्य है। इनके पास विकास क्षेत्र (स्वैच्छिक संस्थाओं) में काम का लम्बा अनुभव है और ये प्रशिक्षक पूरे देश में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और संबंधित संस्थाओं में समुदाय के स्तर पर सीधे काम कर चुके है।

बेसिक कार्यक्रम – भाग 1 : 12 अगस्त 2019 से 16 अगस्त 2019,
भाग 2 : 17 अगस्त 2019 से 21 अगस्त 2019

कार्यक्रम स्थलः सहभागी शिक्षण ट्रस्ट, लखनऊ

Mode of Payment

1) The programme fee can be wire transferred through internet into our account “Indian Society for Applied Behavioural Science” A/c no. 90482010014884 - Savings A/c Syndicate Bank, Delhi Green Park Extension branch IFSC code for the branch is SYNB0009048 Remittances can come through either RTGS or NEFT depending on the amount. Once a remittance has been made through net banking the remitter will receive a confirmation number from their bank.

2) Alternatively, A Demand Draft (DD) drawn in favour of “Indian Society for Applied Behavioural Science” payable at New Delhi. The DD may be sent, along with duly filled Nomination Form to Shubhojeet Pal ISABS, B-1/33A, Mezzanine Floor, Hauz Khas, New Delhi 110 016

नोट :जो व्यक्ति पिछले 2 साल में ISABS के किसी कार्यक्रम में आयोजित BLHP (प्रारम्भिक लैब) में भाग ले चुके है, वे सीधे कार्यक्रम के दूसरे भाग में शामिल हो सकते है जो 17 से 21 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम का शुल्क इसके अनुसार परिवर्तित होगा। इस संबंध में बातचीत के लिए ISABS कार्यालय से संपर्क करें।

चेतावनी

ऐसा व्यक्ति जिसने लगातार मानसिक तनाव का अनुभव किया हो, अथवा जो किसी तरह की मनोचिकित्सा से गुजरा हो, अथवा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना किया हो, अथवा जिसे कभी दिल का दौरा पड़ा हो, उनको इस कार्यक्रम के लिए नामांकित नहीं किया जाना चाहिए। हर प्रतिभागी के बारे में यह माना जाएगा कि उसने पूरी जानकारी के साथ स्वेच्छा से सहमति दी और अपने स्वास्थ्य के लिए वह पूरी तरह से जिम्मेदार होगा या होगी।

संपर्कः **डॉ सोमाली गुप्ता,**

डीन, सामाजिक विकास

मो. 09893081194, ईमेलः somaligupta@gmail.com

शुभोजीत पाल (प्रबंधक)

मो. 08802657508, 011–26964710, 26850956

ईमेल: accounts@isabs-org,

ISABS Indian Society for Applied Behavioural Science

पताः Indian Society for Applied Behavioural Science (ISABS)

B-1/33 A; मेजेनाइन फ्लोर

हौज खास, नई दिल्ली – 110016

फोन: (011) 26850956, 26964710,

वेबसाइट: www.isabs.org